कक्षा–9
विषय–उर्दू

उर्दू विषय में 70 अंक का लिखित प्रश्न.पत्र होगा तथा 30 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर किया जायेगा।

उर्दू विषय में 70 अंक का एक प्रश्न.पत्र तीन घण्टे का होगा।

खण्ड (अ) पूर्णांक–35

1–व्याकरण और प्रयोग **9 अंक**

व्याकरण के केवल उसी तत्व पर बल दिया जायेगा जो भाषा के प्रयोगात्मक ज्ञान और उसके सम्भाषण एवं लेखन में प्रयोग हो। व्याकरण का अध्ययन एक विषय के रूप में अनिवार्य नहीं है परन्तु छात्रों को कक्षा में पाठों को पढ़ाते समय भाषा में व्याकरण के महत्व तथा उसके सही प्रयोग का ज्ञान साथ ही छात्रों को इसके अनुवाद तथा उसके संगठन का सही अध्ययन कराना चाहिए।

2– **पद्य** **9 अंक**

(गजल, मसनवी, रूबाई)

3– **रचना**

(अ) निबन्ध लेखन (सामान्य रुचि के विषयों पर) **5 अंक**

(ब) पत्र लेखन (व्यक्तिगत और आवेदन–पत्र 150 शब्दों तक।) **5 अंक**

4– अपठित ज्ञान (150 शब्द) **7 अंक**

खण्ड (ब) पूर्णांक–35

1– **गद्य** **14 अंक**

(1) मीर अम्मन–सैर चौथे दरवेश की

(2) गालिब (खुतूत)–(1) मिर्जा अलाउद्दीन अहमद खान अलाई के नाम

(2) मीर महदी मजरूह के नाम

(3) मुंशी हरगोपाल तफता के नाम

(3) सर सैयद अहमद खान–बहस–ओ तकरार

(4) मुहम्मद हुसैन आजाद (1) मिर्जा मजहर जाने जानाँ

(2) सैयद मुहम्मद मीर सोज

(5) डिप्टी नजीर अहमद– फहमीदा और बड़ी बेटी नईमा की लड़ाई

(6) अलताफ हुसैन हाली– मिर्जा गालिब के हालात

(7) रतन नाथ सरशार– (1) मेहरी का सरापा

(2) रेल का सफर

(ब) निर्धारित गद्य पुस्तक के लेखकों की जीवनी तथा साहित्य में उनके योगदान के बारे में ज्ञान। **4 अंक**

2– **पद्य** **12 अंक**

गजलः–

1–वली दकिनी– आज दिस्ता है हाल कुछ का कुछ

2–सौदा–जो गुजरी मुझ पे मत उस से कहो, हुआ सो हुआ

3–मीर तकी मीर–(1) उल्टी हो गई सब तदबीरें कुछ न दवा ने काम किया

(2) हस्ती अपनी हबाब की सी है

4–दर्द (1) जी में है सैरे अदम कीजिएगा

(2) तू अपने दिल से गैर की उलफत न खो सका

5–आतिश– बदन सा शहर नहीं दिल सा बादशाह नहीं

6–ज़ौक़– उसे हमने बहुत ढूढँा न पाया

7–गालिब–(1) यह न थी हमारी किस्मत कि विसाले यार होता

(2) हजारों ख्वाहिशें ऐसी कि हर ख्वाहिश पे दम निकले

8–मोमिन–वोह जो हममे तुममे करार था तुम्हें याद हो कि न याद हो

9–दाग– खातिर से या लिहाज से मै मान तो गया

मसनवी–मीर हसन

रूबाई–मीर अनीस व हाली

(ब) निर्धारित पद्य पुस्तक के कवियों की जीवनी तथा साहित्य में उनके योगदान के बारे में ज्ञान। **5 अंक**

<u>शैक्षिक सत्र 2024–25 हेतु आन्तरिक मूल्यांकन</u>

1–प्रथम आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा– (मौखिक अभिव्यक्ति आधारित परीक्षा)	**अगस्त माह**	**10 अंक**
2–द्वितीय आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा–(रचनात्मक लेखन आधारित परीक्षा)	**दिसम्बर माह**	**10 अंक**
3–चार मासिक परीक्षाएं		**10 अंक**

- प्रथम मासिक परीक्षा (बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQ) के आधार पर) मई माह
- द्वितीय मासिक परीक्षा (वर्णनात्मक प्रश्नों के आधार पर) जुलाई माह
- तृतीय मासिक परीक्षा (बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQ) के आधार पर) नवम्बर माह
- चतुर्थ मासिक परीक्षा (वर्णनात्मक प्रश्नों के आधार पर) दिसम्बर माह

चारों मासिक परीक्षाओं के प्राप्तांकों के योग को 10 अंकों में परिवर्तित किया जाय।